[श्री शांतिलाल पुरुषोत्तम दास पटेल]

(ख) काउंसिल के कार्यक्रम की सरकार द्वारा समीक्षा । [पुस्तकालय में रखी गई । (क) और (ख) के लिये देखिये संख्या एल०टी०/1616/90]

(iii) (क) 1989-90 के वर्ष के लिए प्लास्टिक एंड लिनोलियम एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (प्लेक्स काउंसिल) मुम्बई का 35 वां वार्षिक प्रतिवेदन और लेखे लेखाओं पर लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन सहित ।

(ख) काउंसिल के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा । [पुस्तकालय में रखी गई (क) और (ख) के लिए देखिए) संख्या एस० टी०/1617/90]

PRESENTATION OF EIGHTY-FOURTH REPORT OF THE COMMITTEE ON SUBORDINATE LEGISLATION

SHRI KAPIL VERMA (Uttar Pradesh): Sir, I present the Eighty-fourth Report (in English and Hindi) of the Committee on Subordinate Legislation.

डा० रत्नाकर पाडेय (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभाध्यक्ष महोदया, मुझे एक बहुत ही महत्वपूर्ण मसला उठाना है ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR) We are going to Special Mentions now.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : जो मामला मैं उठा रहा हूं वह स्पेशल मेशन से भी जरूरी है क्योंकि मेरे अधिकार का हनन किया गया है और सरकार के द्वारा किया गया है । इसलिए मैं यह मामला उठा रहा हूं । दिनांक 24 दिसम्बर, 1990 को आकाशवाणी के राष्ट्रीय कार्यक्रम में "राजनीति और नैतिकता" विषय पर एक परिचर्चा हुई थी जिसमें हरकिशन सिंह सुरजीत, नानाजी देशमुख, मुझे और नवभारत टाइम्स के सम्पादक श्री माथुर को बुलाया गया था । उस में जान बूझकर के कहा गया कि पिछली सरकार बहुत महत्व-पूर्ण है (समय की घंटी) उपसभाध्यक्ष महोदया, हमारे अधिकार का हनन किया गया है इसलिए मैं कह रहा हूं कि मुझे मौका दें । मैं आपसे उम्मीद करता हूं कि वाणी की स्वतंत्रता न्यायपूर्ण ढंग से आप देंगे । मैं दो मिनट में अपनी सारी बात रखूंगा ।

उपसभाध्यक्ष (श्री भास्कर अन्नाजी मासोदकर) : एक मिनट जरा आप बैठ जाइये पेपर ले कर लेने दीजिए । श्री यशवंत सिन्हा जी ।

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (GENERAL) 1990-91 (DECEMBER, 1990

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI YASHWANT SINHA): Sir, I beg to lay on the Table a statement (in English and Hindi) showing the Supplementary Demands for Grants (General) for the year 1990-91 (December 1990).

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : आपने मुझे आदेश दिया था । मैं बता रहा था । कि 24 दिसम्बर को...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Any other item? (*Interruptions*). There is confusion in the List of Supplementary Business. We are taking up the 2.30 business just now. Yes, Mr. Sinha.

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (ASSAM) 1990-91

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI YASHWANT SINHA): Sir, I beg to lay on the Table a statement (in English and Hindi) showing the Supplementary Demands for Grants for expenditure of the Government of Assam for the year 1990-91.

REFERENCE TO PROGRAMME ENTITLED 'RAJNEETI AUR NAITIKTA' BROADCAST FROM AIR

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, 24 दिसम्बर को आकाशवाणी की ओर से राष्ट्रीय कार्यक्रम हुआ था ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Be brief.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : दो मिनट से तीसरा मिनट मैं नहीं दूंगा ।

उसमें हरकिशन सिंह सुरजीतजी नानाजी देशमुख, मुझे और 'नवभारत टाइम्स' के सम्पादक राजेन्द्र माथुर जी को बुलाया गया था । "राजनीति और नैतिकता" विषय पर परिचर्चा थी । उसमें यह कहा गया था कि पिछले विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार बोफोर्स के मसले पर सत्ता में आई । बोफोर्स के भ्रष्टाचार मसले को उठाकर वे सत्ता में आये । इसका मैंने जोरदार प्रतिवाद किया था और कहा था कि जब चौधरी चरण सिंह उत्तर प्रदेश में अपोजिशन के लीडर थे और विश्वनाथ प्रताप सिंह मुख्य मंत्री थे, उस समय चरण सिंह की मांग पर "विशारद कमीशन" की रिपोर्ट लागू हुई थी । राम जानकी ट्रस्ट और दहिया ट्रस्ट के नाम पर हजारों एकड़ जमीन पर विश्वनाथ प्रताप सिंह ने कब्जा कर लिया और सेंट किट्स बैंक में उनके लड़के ने करोड़ों रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित की थी । अनेकों बातें बतायी गयी जो विश्वनाथ प्रताप सिंह के चरित्र हनन का राजनीति का द्योतक थी । विश्वनाथ प्रताप सिंह चरित्र हनन करके सत्ता में आये थे । लगभग 50 मिनट की रिकार्डिंग हुई थी । सदन के नेता और पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर साहब धैर्य से सुनिये मुझे बड़े दुख और पीड़ा के साथ कहना पड़ रहा है और मैंने प्रधानमंत्री श्री शेखर जी को जो सूचना एवं प्रसारण मंत्री भी हैं पत्र लिखा कि इस तरह से हमारी वाणी का हमारे उद्गारों की स्वतंत्रता का हनन किया गया है । 50 मिनट की रिकार्डिंग हुई और इनमें से 27 मिनट का प्रसारण आया तथा वही अंश निकल गया जिसमें मैंने विश्वनाथ प्रताप सिंह पर आरोपित किया था और जिसमें मेरे नेता पर आरोप लगाये गये थे कि बोफोर्स के भ्रष्टाचार के मसले पर विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार आई । ऐसी स्थिति में मैंने 500 रुपये का चेक भी वापस कर दिया जो मुझे मिला था ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Please conclude now.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : अंतिम सेन्टेंस कह रहा हूं । मैंने चन्द्रशेखर जी से मांग की थी कि इस मामले पर तत्काल कार्यवाही करें । 50 मिनट की जो रिकार्डिंग हुई है उसको सदन के पटल पर रखा जाए । ऐसे रेडियो के कर्मचारी जो विश्वनाथ प्रताप सिंह और भारतीय जनता पार्टी के एजेंट्स के रूप में घुसे हुए हैं और सत्य का हनन कर रहे हैं उनको तत्काल सस्पेंड करके एक स्टेटमेंट लेकर प्रधान मंत्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्री सदन के सामने आयें अन्यथा इस मामले पर बहुत बड़ा देशव्यापी बवाल किया जाएगा । हमारे नेता का चरित्र हनन किया गया है । रेडियो और आकाशवाणी जो चन्द्रशेखर जी की नैतिकता की बात करती है वह अत्यंत क्षुद्र है । सत्य का गला घोटा गया है । इसलिए जिन्होंने एडिट किया है उनको तत्काल सस्पेंड किया जाये और सदन को सूचित किया जाए कि इस तरह की कार्यवाही भविष्य में नहीं की जाएगी । मैं रेडियो का बहिष्कार करता हूं । जब तक इस पर कार्यवाही नहीं की जाएगी, मैं कदापि उनके निमंत्रण पर नहीं जाऊंगा । प्रधान मंत्री को इसमें रुचि लेनी चहिए और...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Please take your seat.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : सन्डे को मने उनको लिखा था । आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गयी है । प्रधान मंत्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्री जी ने भी इसको गम्भीरता से नहीं लिया, इसकी भी मैं निन्दा करता हूं ।

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA): Sir, I want to react to the points raised by Dr. Pandey. माननीय उपसभाध्यक्ष जी, डा० रत्नाकर पाण्डेय जी ने जिस विषय की ओर शासन का ध्यान दिलाया है, उसकी जानकारी उन्होंने अपने 25 दिसम्बर के पत्र के द्वारा भी देश के प्रधान मंत्री श्री चन्द्रशेखर

[Shri Satya Prakash Malaviya]

जी को दी थी । उसमें उन्होंने इस बात की चर्चा की थी कि 24 दिसम्बर को आकाशवाणी में जो उनकी रिकार्डिंग का प्रसारण किया गया उसमें उनके विचारों की उपेक्षा की गयी है । उसमें उन्होंने जिस ओर प्रधान मंत्री जी का अपने पत्र के द्वारा ध्यान आकर्षित किया है आज सदन में उसके संबंध में हम लोगों ने नोटिस ले लिया है और जो कुछ भी संभव होगा हम उस पर कार्यवाही करेंगे ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : उस पर आप स्टेटमेंट दें ।

DEMAND FOR STATEMENT ON GROUNDING AND RE-INDUCTION OF AIRBUS A-320

SHRI KAPIL VERMA (Uttar Pradesh): Sir, I want only half a minute

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Yes.

SHRI KAPIL VERMA: Sir, the issue of A-320 has rocked the country for a long time. The whole fleet was grounded, and hundreds and crores of rupees...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): There will be a question on that, I believe.

SHRI KAPIL VERMA: That has lapsed. The House is not meeting on 31st. So, I want the Government to make a statement explaining to the House why this fleet was grounded, as a result of which a large sum of money was wasted We also want to know why those planes have now been reinducted. What were the reasons for their grounding and reinducting? Who are the persons responsible for all this? I am told that the pilots were willing to fly them and that these planes were used in evacuation operations in the Gulf. It was nothing but a political blackmail and to malign a particular political party and one particular individual. This was the most reprehensible act.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : हमारे नेता का चरित्र हनन किया गया है । . . . (व्यवधान) हम आपकी सरकार को सपोर्ट कर रहे हैं । . . . (व्यवधान)

SHRI KAPIL VERMA: I would like the Government to make a statement on it.

SHRI VITHALBHAI M. PATEL (Gujarat): I want to draw the attention of Malaviya Ji to radio and television. I had also written a letter to the hon Prime Minister more than a month back saying that even Parliament coverage was twisted. Such things should not happen again.

SHRI KAPIL VERMA: Sir, I want to know whether the Government will make a statement on grounding and reindiction of A-320 planes.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Let us proceed with the business

---

SPECIAL MENTIONS

Atrocities on Harijans in Bihar

चौधरी हरि सिंह (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, ग्राम अतौला, जिला झांझरपुर, बिहार में चार हरिजनों को और उनके बच्चों को उनके घर के अंदर जिंदा जला दिया और वह इसलिए कि उन हरिजनों ने, जो खाली जमीन पड़ी हुई थी, जिस पर कोई फसल, पौधा अथवा पेड़ नहीं था, उस पर अपने पशु चरा लिये थे । तो सजा के तौर पर उन चार हरिजनों को जला दिया गया ।

मान्यवर, मैं आपका ध्यान विशेष तौर पर आकृष्ट करना चाहता हूं कि आज मौजूदा सरकार के शासनकाल में बिहार